Saas Bahu Sammelan

सास–बहू सम्मेलन

2010-11

राष्ट्रीय ग्रामीण
स्वास्थ्य मिशन
राज्य कार्यक्रम
प्रबन्धन इकाई
उत्तर प्रदेश
लखनऊ

सम्मेलन उद्घाटन के कुछ मनमोहक नज़ारे

दीप प्रज्ज्वलित कर मुख्य अतिथि जिनमे राज्य स्तरीय मंत्री,
लोक सभा, राज्य सभा ,विधान सभा एवं विधान परिषद सदस्य के
अतिरिक्त मंडल आयुक्त, जिलाधिकारी,ब्लाक प्रमुख इत्यादि
सम्मिलित थे, सम्मलेन का उद्घाटन करते हुए

कहीं वक्ताओं ने कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराईओं को समास करने का आह्वान किया तो कहीं स्वास्थय सम्बंधित कुरीतियों को सास एवं बहुओं के आपसी समन्वय एवं तालमेल से ख़त्म करने की. कुछ ने सास बहुओं में विचारों की भिन्नता को विवाद का कारण बताया एवं सासों से विशेष तौर पर आग्रह किया गया कि अपनी बहुओं के विचारों का आदर करें

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने सम्मेलन अजेंडा के अनुसार उपस्थित श्रोताओं एवं दर्शकों को राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित कराये जा रहे स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं योजनाओं की विस्तार में जानकारी प्रदान की एवं श्रोताओं से, विशेषकर कार्यक्रम स्थल पर एकत्रित साँसों एवं बहुओं से इन सेवाओं का पूरा लाभ अर्जित करने हेतु आह्वान किया

सम्मेलनों में पुरे हर्षोल्लास के साथ प्रतिभाग करते हुए सास बहु

प्रदेश भर में कई हज़ारों की संख्या में सासों , बहुओं, ए.एन.एम. एवं आशाओं ने पुरे उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ इन सम्मेलनों में प्रतिभाग कर आपसी सौहार्द एवं समन्वय का सन्देश देने की कोशिश की

सम्मेलन के माध्यम से स्वास्थय विभाग द्वारा संचालित किये जा रहे स्वास्थय कार्यक्रमों की जानकारी देने के साथ साथ भ्रांतियों को दूर करने की कोशिश की गयी

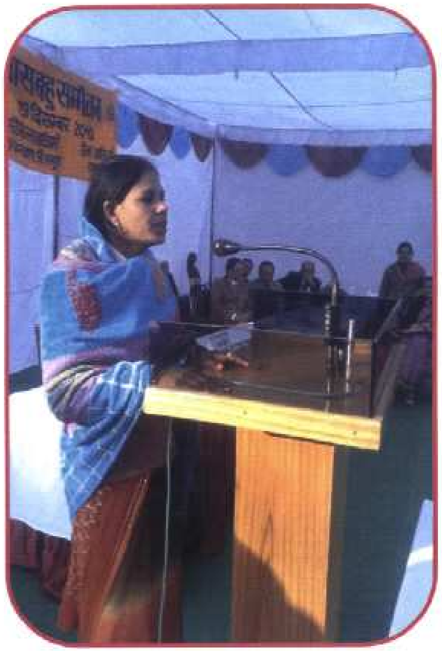

सम्मेलनों का एक प्रमुख आकर्षण
सास एवं बहुओं द्वारा स्वास्थ्य
व्यवहार, कन्या भ्रूण हत्या,
बालिकाओं की कच्ची उम्र में शादी
जैसे महत्वपूर्ण घरेलु मुद्दों पर
आपसी समन्वय एवं सौहार्दपूर्ण
माहौल में लिए गए सकारात्मक
निर्णयों के अनुभवों से दर्शकों एवं
श्रोताओं को अवगत करना भी था

आपसी सामंजस्य एवं सौहार्द के अनुकरणीय उदाहरणों को बारी-बारी से दर्शको के सम्मुख प्रस्तुत करती सासें एवं बहुएं

सम्मेलन में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की झलकियाँ

कई प्रकार के मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्वास्थय व्यवहार में सकारात्मक बदलाव, रूढ़िवादी मान्यताओं को समाप्त करना, सास बहुओं में आपसी समन्ययव की आवश्यकता एवं महत्व जैसे ज्वलंत सामाजिक मुद्दों पर उपस्थित दर्शकों तक संदेशों को पहुँचाने की पहल की गयी. प्रमुख रूप से आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे रंगोली, मेंहदी, सुई में धागा डालना, वाद-विवाद, लोक गीत, प्रशनोत्री प्रतियोगता, नाटक, गुब्बारा फुलाना प्रतियोगिता, जादू के खेल इत्यादि में सास, बहुओं, आशाएं एवं ए. एन.एम ने पुरे उत्साह से प्रतिभाग कर दर्शकों तक अपनी छिपी प्रतिभाओं को पहुँचाने की पूरी कोशिश की

कहीं मंत्रमुग्ध कर देने वाले नृत्यों
ने दर्शकों का मनोरंजन किया तो
कहीं नाटकों के माध्यम से एक
स्वस्थ्य एवं सुखमय समाज की
स्थापना का सन्देश दिया गया

कहीं रस्साकशी प्रतियोगिता में बहुओं ने बाज़ी मारी तो कहीं रंगोली बनाओ प्रतियोगिता में सासों ने अपने छिपे जौहर का प्रदर्शन कर के सबको और विशेषकर अपनी बहुओं को आशचर्यचकित कर दिया

कहीं रस्साकशी प्रतियोगिता में बहुओं ने बाज़ी मारी तो कहीं रंगोली बनाओ प्रतियोगिता में सासों ने अपने छिपे जौहर का प्रदर्शन कर के सबको और विशेषकर अपनी बहुओं को आशचर्यचकित कर दिया

सम्मेलन में उपस्थित सभी प्रतिभागियों शपथ दिलाते हुए जिलाधिकारी इला०

समस्त प्रतिभागियों द्वारा एक स्वस्थ्य राष्ट्र के निर्माण में अपने मनोयोग से अपना सहयोग प्रदान करते हुए समाज को एक नई दिशा देने के लिए अपने घर , परिवार,समुदाय में एक स्वस्थ्य एवं सुखमय समाज बनाने के संकल्प का शपथ लिया जाना सम्मेलनों का एक प्रमुख आकर्षण था

पुरूस्कार वितरण के कुछ द्रश्य

मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बिजनौर डा० अभिमन्यु सिंह द्वारा विजयी प्रतिभागियों को पुरूस्कृत करते हुए

विभिन्न प्रकार के आयोजित प्रतियोगितायों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल करने वाली सास, बहुओं,आशा एवं ए.एन.एम. को कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों द्वारा पुरुस्कृत किया गया

सहयोगी विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल की झलकियाँ

विभिन्न सरकारी एवं गैरसरकारी विभागों एवं संगठनों जैसे आयुष, कुष्ठ रोग , पी.पी.एन.डी.टी.,डूडा, डी.आर.डी.ए.,बेसिक शिक्षा,बाल विकास परियोजना ,पंचायत राज ,नेहरु युवा केंद्र , यूनिसेफ इत्यादि ने सुन्दर एवं मनमोहक स्टॉलों के माध्यम से प्रचार प्रसार किया एवं उपस्थित दर्शकों को इनसे सम्बंधित सेवाओं का लाभ अर्जित करने हेतु प्रेरित किया

सास बहु सम्मलेन मीडिया की नज़रों से

जोर लगा के हई शा...

रस्साकसी प्रतियोगिता में दमखम आजमाती सास और बहुएं। (संबंधित खबर पेज 5 पर) • हिन्दुस्तान

एक संगठित टीम की तरह सासों एवं बहुओं दोनों ने एक दुसरे के सकारात्मक अनुभवों एवं दृष्टिकोण को महत्व देते हुए सामाजिक चुनौतियों से बाज़ी मारने का अहद किया

हिन्दुस्तान 5

सास–बहू के रिश्तों की गगरी से छलके जज्बात

सास भी कभी बहू थी पर जागरुकता की कमी थी

अमर उजाला
17 दिसम्बर 2010

सास-बहुओं ने जाना बेहतर स्वास्थ्य का मंत्र

जीआईसी परिसर में आयोजित हुआ सास-बहू सम्मेलन, कमिश्नर व डीएम ने किया अवलोकन

सासों ने माना बहुएं उनसे अधिक जागरूक परन्तु दोनों पीढ़ियों के सयुंक्त निर्णय से ही फाएदेमंद पारिवारिक फैसला सम्भव

सास–बहू सम्मेलन का आयोज

सम्मेलन में पहुंची महिलाओं को दी गई स्वास्थ्य संबंधी जान

जागरण सिटी

फैजाबाद

एक दूसरे की पूरक बनें सास-बहू

दैनिक जागरण 17 दिसम्बर 2010

पीछे नहीं रहीं सास और बहुएं

जिला स्तरीय सास बहू सम्मेलन में दी परिवार कल्याण योजनाओं की जानकारी

सास बहु सम्मेलन के मंच ने घरेलु एवं सामाजिक मुद्दों जैसे बालक-बालिकाओं में असमानता, बालिकाओं की कम उम्र में शादी, भ्रूण हत्या, रूढ़िवादी कुरीतियों को न त्यागना इत्यादि पर सहयोगात्मक एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में दोनों पीढ़ियों के दृष्टिकोणों का सम्मान करते हुए खुल कर चर्चा करने एवं फैसला लेने का अवसर प्रदान किया

अमर उजाला

हाथरस

मथुरा रोड स्थित राजरानी मेहरा गेस्ट हाउस में जिला स्तरीय सास-बहू सम्मेलन

घर की तरक्की को सास-बहू का तालमेल जरूरी

सास-बहू सम्मेलन में महिलाओं ने बिखेरा रंग

कांशीराम सामुदायिक भवन में आयोजित सास-बहू सम्मेलन में शामिल लोग।

सास-बहू के सामंजस्य से सुखी होगा परिवार

सम्मेलन

- जागरूकता की दृष्टि से इस प्रकार का आयोजन सराहनीय : डॉ.श्रीवास्तव

जौनपुर: सास-बहू के बीच तालमेल व सामंजस्य से ही परिवार व समाज सुखी होगा। यह सम्मेलन वह सशक्त मंच है जहां सास और बहू के बीच संवादहीनता समाप्त कर दोनों को जागरूक किया जा सकता है।

उक्त बातें मुख्य अतिथि डॉ.वीके श्रीवास्तव अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण वाराणसी मण्डल ने गुरुवार को जिला स्तरीय सास-बहू सम्मेलन में काशीराम सामुदायिक भवन हुसैनाबाद में सास-बहुओं को सम्बोधित करते हुए कही। शुभारम्भ सिरकोनी ब्लाक की नव निर्वाचित ब्लाक प्रमुख श्रीमती उर्मिला सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। अपर निदेशक श्री श्रीवास्तव ने स्वास्थ्य सेवाओं को आम आदमी तक पहुंचाने पर हर स्तर पर सहयोग देने का आश्वासन दिया।

मुख्य चिकित्साधिकारी डा.डीके [illegible] ने सम्मेलन आयोजित करने के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। मुख्य [illegible]अधिकारी परिवार कल्याण डॉ.एसएन उपाध्याय ने कहा कि लड़का और लड़की में कोई भेद नहीं होना चाहिए। सम्मेलन में जुटी सास बहू ने बेटी के जन्म पर सोहर, लोकगीत, चम्मच दौड़, वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लेकर प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार के रूप में साड़ी, शाल, हैण्ड बैग एवं घड़ी प्राप्त किया। इस मौके पर डॉ.आरए सिंह, डॉ.मेजर चौपी सिंह, डॉ.आनन्द चौधरी, सत्यव्रत त्रिपाठी, डॉ.कमर अब्बास सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। संचालन जिला स्वास्थ्य शिक्षा सूचना अधिकारी डॉ.एचडी सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन विनीत श्रीवास्तव ने किया।

अफसरों ने किया जेल का निरीक्षण

सास-बहू के बीच मधुर संबंध जरूरी

सम्मेलन

- तीन बोलें, बोलजाओं को वाणिज्य उत्पन्न कर सास-बहू
- सास-बहू सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम
- चिकित्साधिकारियों ने बीमारियों के प्रति किया जागरूक

सास बहु सम्मेलन ने एक ऐसे सशक्त मंच का अवसर प्रदान किया जिसके माध्यम से सास एवं बहुओं के बीच संवादहीनता समाप्त कर सामंजस्य एवं तालमेल की भावना पैदा कर एक स्वस्थ्य एवं सुखी परिवार व समाज का निर्माण हो सके

न दिखा सास का गुरूर और न बहू की खीझ

फतेहाबाद रोड स्थित एसआर गार्डन में आयोजित हुआ सास-बहू का सम्मेलन

कार्यालय संवाददाता

फतेहाबाद रोड स्थित एसआर गार्डन में आयोजित सास-बहू सम्मेलन में बड़ी संख्या में सास व बहुओं की भागीदारी रही।

सास और बहुओं ने बेटी के जन्म पर गाया सोहर

अमर उजाला ब्यूरो

सास बहू सम्मेलन में दी संवादहीनता खत्म करने की नसीहत, परिवार में अच्छा माहौल बनाने पर बल

जहाँ एक तरफ सासुजी को पुरानी मान्यताओं को त्यागने की हिदायत दी गयी वहीं दूसरी तरफ उन्हें बहुओं के लिए गर्भ के समय पहली मार्गदर्शिका बताया गया

सास-बहू सम्मेलन में गर्जी महिला

जमकर हुए नृत्य व अन्य प्रतियोगितायें

कहीं सम्मेलनों मे सासों और बहुओं के बीच आरोपों-प्रत्यारोपों का दौर चला तो कहीं इनके बीच स्नेह , पवित्र रिश्ता और एकता का ग़ज़ब माहौल देखने में आया और सब ने दोनों पीढ़ियों के प्रतिनिधियों के मध्य माँ-बेटी जैसा रिश्ता कायम करने की वकालत की

रियल में मंच पर उतरी सास-बहुएं

दैनिक जागरण

सास-बहू स्वस्थ समाज की आधारशिला

सास बहु सम्मलेन एक सस्ता और सुलभ परवरिश की सीख दे गया. गीत संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के ज़रिये हर सीख आसान नज़र आई. हर कार्यक्रम मैं जागरूकता की सौंधी महक थी. सेहत के प्रति सजग करने वाले नुस्खे थे तो स्थानीय स्तर पर उत्पन्न भ्रांतियों को दूर करने का विचार था

जागरण सिटी

हाथरस/अलीगढ़

सास-बहू सम्मेलन में

सस्ता-सुलभ परवरिश की सीख